रज रज करिये दीदार माँ चिंतपूर्णी दे

हथा विच झंडे फड़ किने सोहने जचदे,
मैया दे भगत आज नच्दे न थक दे,
मेला लगाया है विच दरबार माँ चिंतपूर्णी दे ,
रज रज करिये दीदार माँ चिंतपूर्णी दे

दुरो दुरो चल के द्वारे वेखो माँ दे अज ाइयाँ संगता,
नारियल भेटा चुनी दर ते चढ़ाऊँ ले ाइयाँ संगता,
हुंडी हर पास जय जय कार माँ चिंतपूर्णी दे,
रज रज करिये दीदार माँ चिंतपूर्णी दे

बसा ते टरका कई साइकल ते आउंदे ने चढ़ाइयाँ चढ़ के,
भगा वाले हुन्दे ने जेहड़े चरना च बैठ हाजरी भर दे,
सोहने उचे उचे लगदे पहाड़ माँ चिंता पुरनी दे,
रज रज करिये दीदार माँ चिंतपूर्णी दे

कुलियाँ दा कहंदा बलवीर माँ ने सिर उते हठ धरेया,
हर वेले एह रेह्न्दा रंगीले नु भी सरूर चड़ेया,
ओहदे रेहमता दे खुले ने भंडार माँ चिंतपूर्णी दे ,
रज रज करिये दीदार माँ चिंतपूर्णी दे

Source: https://www.bharattemples.com/rj-rj-kariye-dedaar-maa-chintapurni-de/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw